समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 08 September 2026

बिहार की बेटी ने YouTube से UPSC पास कर बनाया IAS बनने का सपना हकीकत

Publisher

Published on 21 Nov 2025

बिहार की बेटी **आकांक्षा आनंद** ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि अगर जुनून, मेहनत और सही रणनीति हो तो बड़े शहर की कोचिंग की जरूरत नहीं होती। आकांक्षा ने अपनी UPSC की तैयारी पूरी तरह **YouTube वीडियो** और ऑनलाइन संसाधनों के माध्यम से की और अपने दूसरे प्रयास में **205वीं रैंक** हासिल कर IAS अधिकारी बनने का सपना साकार किया। उनकी यह सफलता न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के UPSC उम्मीदवारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

आकांक्षा आनंद का शैक्षणिक सफर सामान्य परिवार से शुरू हुआ। बचपन से ही वह पढ़ाई में अच्छी थीं और जानवरों के प्रति उनका लगाव अलग था। उन्होंने वेटनरी साइंस की पढ़ाई की और जानवरों की डॉक्टर बनकर समाज सेवा की शुरुआत की। इसके बावजूद आकांक्षा का सपना हमेशा IAS बनने का रहा। उन्होंने अपने पहले प्रयास में अनुभव किया कि परीक्षा केवल ज्ञान पर आधारित नहीं बल्कि रणनीति और तैयारी के सही ढंग पर भी निर्भर करती है।

दूसरे प्रयास में आकांक्षा ने **ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और YouTube** का पूरा सहारा लिया। उन्होंने बड़े शहरों की कोचिंग संस्थाओं पर भरोसा नहीं किया। उनका मानना था कि अगर योजना और नियमितता सही हो, तो घर बैठे भी UPSC जैसी कठिन परीक्षा को पार किया जा सकता है। आकांक्षा ने प्रत्येक विषय का अध्ययन अपने टाइम-टेबल के अनुसार किया और कठिन टॉपिक्स के लिए वीडियो लेक्चर को बार-बार देखा।

अपनी सफलता के बारे में आकांक्षा कहती हैं कि “यूपीएससी जैसी परीक्षा में सफलता केवल प्रतिभा से नहीं बल्कि **सकारात्मक सोच, धैर्य और लगातार प्रयास** से मिलती है। मैंने कभी हार नहीं मानी और हर असफलता से सीखते हुए आगे बढ़ती रही। मेरा लक्ष्य हमेशा IAS बनकर समाज सेवा करना रहा है और इस लक्ष्य ने मुझे प्रेरित किया।”

आकांक्षा आनंद की यह कहानी यह संदेश देती है कि बड़े शहर की कोचिंग या महंगी तैयारी विकल्प नहीं बल्कि **लगन, आत्मविश्वास और स्मार्ट तैयारी** ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने साबित कर दिया कि डिजिटल युग में ऑनलाइन सामग्री और स्मार्ट अध्ययन भी बड़े परीक्षाओं में जीत दिला सकता है।

IAS बनने के बाद आकांक्षा का उद्देश्य केवल सरकारी सेवा करना नहीं है, बल्कि समाज के गरीब और पिछड़े वर्गों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार लाना भी है। उनका मानना है कि यदि सही दिशा में प्रयास किया जाए, तो कोई भी युवा कठिन परिस्थितियों में भी अपने सपनों को साकार कर सकता है।

बिहार में आकांक्षा की सफलता ने UPSC उम्मीदवारों में उत्साह और प्रेरणा का नया उत्सव खड़ा कर दिया है। कई युवा अब उनके अनुभव से सीख लेकर **ऑनलाइन माध्यमों** से तैयारी करने की सोच रहे हैं। आकांक्षा की कहानी यह दिखाती है कि मेहनत और सही दिशा के साथ किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है।

यूपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त करना किसी भी उम्मीदवार के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। इसके लिए **सटीक योजना, विषय विशेषज्ञता और आत्मविश्वास** की जरूरत होती है। आकांक्षा आनंद ने इस परीक्षा को पार कर साबित कर दिया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म का सही उपयोग करके भी कोई IAS बन सकता है।

आकांक्षा की यह कहानी केवल UPSC उम्मीदवारों के लिए ही नहीं बल्कि सभी युवा भारतीयों के लिए प्रेरणास्पद है। यह दिखाती है कि कठिनाइयों और सीमित संसाधनों के बावजूद यदि लक्ष्य स्पष्ट और प्रयास लगातार हों, तो कोई भी सपना हकीकत में बदला जा सकता है।

इस सफलता के पीछे आकांक्षा का समर्पण, ऑनलाइन अध्ययन की रणनीति और आत्मविश्वास का अहम योगदान है। उन्होंने यह संदेश भी दिया कि **महत्वपूर्ण नहीं कि आप कहां से आए है यां आपके पास क्या संसाधन है**, बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि आप कितनी लगन और मेहनत से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

बिहार की बेटी आकांक्षा आनंद की यह प्रेरणादायक कहानी निश्चित रूप से हर युवा के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनी रहेगी और उन्हें यह सिखाएगी कि डिजिटल साधनों और सही दिशा के साथ **कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं** है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.